Title: Need for early construction of an aerodrum at Ajmer, Rajasthan.

प्रो. रासिंह रावत (अजमेर): अजमेर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, धार्मिक एवं साम्प्रदायिक सौहाद्रता की दृटि से एक महत्वपूर्ण नगर रहा है। इस अजमेर नगरी में स्थित प्रसिद्ध सूफी संत हजरत मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर अकीदत के फूल चढ़ाने के लिए देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु प्रतिर्वा अजमेर आते हैं इसी प्रकार अजमेर के पास ही स्थित सुप्रसिद्ध तीर्थस्थली पुकर, जो तीर्थगुरू के नाम से विख्यात है, में भी प्रतिर्वा देश विदेश के लाखों यात्री आते हैं। अजमेर रेल और सड़क मार्ग से तो देश के प्रमुख स्थलों से जुड़ा हुआ है परन्तु वायु सेवाओं से नहीं जुड़ा होने के कारण आने वाले पर्यटक यात्रियों को पहले दिल्ली और फिर वायुयान से जयपुर उतर कर सड़क मार्ग से अजमेर आना पड़ता है। बार-बार उतरने चढ़ने की परेशानी के कारण तथा राट्रीय राजमार्ग नं0 8 पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ और दुर्घटनाग्रस्तता के कारण कई पर्यटक आने से कतराते हैं।

अजमेर में आने वाले अनेक महामहिम राट्रपतियों एवं प्रधानमंत्रियों ने भी अजमेर में हवाई अडडे की आवश्यकता अनुभव करते हुए अजमेर में हवाई अड्डा बनाने एवं वायुसेवा से जोड़ने का अनेक बार आश्वासन दिया है। राट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने आवश्यक सर्वेक्षण करवाकर इसके लिए निर्धारित स्थान का चयन भी कर लिया है। परंतु अजमेर में में हवाई अड्डा निर्माण की योजना पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई है। राजस्थान की वर्तमान तथा पूर्ववर्ति सरकारों ने भी भारत सरकार से अजमेर में हवाई अड्डे की स्थापना और इसे वायु सेवाओं से जोड़ने का आग्रह किया है।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि अजमेर में हवाई अड्डे की स्थापना को योजना में सम्मिलित कर शीघ्र ही हवाई अड्डे का निर्माण कराया जाये तथा इसे देश के हवाई मानचित्र पर अंकित करने के लिए वायु सेवाओं से जोड़ा जाये।